चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,
हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	13-6-24	4	1-4

दैनिक भास्कर

बाजरे की बिजाई के लिए खेत को 2 या 3 बार जोतकर फौरन सुहागा लगाकर करें तैयार

बाजरे का हर साल नया बीज ही बोएं, संकर प्रजाति की किस्मों से होती है अच्छी पैदावार

यशपाल सिंह | हिसार

बाजरे का बीज हर साल नया ही लेकर बोएं। संकर प्रजाति के बाजरे की किस्मों से अच्छी पैदावार होती है। बाजरे की नर्सरी के लिए क्यारियां ऐसी जगह बनाएं, जहां वर्षा के न होने पर भी सिंचाई के लिए पानी का साधन हो। पछेती बाजरे की रोपाई के लिए जुलाई माह के पहले सप्ताह में नर्सरी में क्यारियों में बिजाई करें।

ये सलाह चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने किसानों को दी। उन्होंने बताया कि बिजाई के लिए खेत को 2 या 3 बार जोतकर फौरन सुहागा लगाकर तैयार करें। बारानी क्षेत्रों में वर्षा से पहले खेत के चारों तरफ खूब मजबूत डोलें बनाएं ताकि खेत में पानी जमा हो जाए। 1 एकड़ के लिए 1.5 से 2 किलोग्राम बीज चाहिए। खेत में सही उगाव के लिए बिजाई खूडों में इस तरह करें कि बीज के ऊपर 2 से 3 सेंटीमीटर से अधिक मिट्टी न पड़े।

लौह तत्व की कमी पर हरा कशिश का घोल छिड़कें

भूमि में यदि डीटीपीए निष्कर्षणीय लौह तत्व 4.5 पीपीएम से कम है, तो 0.5% हरा कशिश के घोल का छिड़काव बाजरा की बिजाई के 25-30 दिन बाद करें। चेपा या अरगट रोग से बचाव हेतु बीज को 10 लीटर पानी के नमक के घोल में डुबो लें और तैरते हुए पिंडों व अन्य पदार्थों को बाहर निकाल कर जला दें। नीचे बैठे बीज को 3-4 बार धोकर सुखा लें व 4 ग्राम थाइरम प्रति किलोग्राम बीज के मिश्रण से बीजोपचार करके बिजाई करें। हरे बालों वाला रोग की शुरुआती रोकथाम के लिए बीज को मैटालेक्सिल 35 प्रतिशत से 6 ग्राम प्रति किलो बीज के हिसाब से उपचारित करें।

बाजरे की फसल में करें नाइट्रोजन व यूरिया का प्रयोगः बाजरा अनुभाग के प्रभारी डॉ. अनिल यादव ने बताया कि उपजाऊ व सिंचाई की सुविधा वाली भूमि में प्रति एकड़ 62.5 केजी नाइट्रोजन, 25 केजी फॉस्फोरस, 12 किलोग्राम पोटेशियम व 10 केजी जिंक सल्फेट डाली जानी चाहिए। आधी नाइट्रोजन बिजाई के समय ड्रिल करें व शेष दो बार दें-एक छंटाई के समय व दूसरी सिट्टे बनते समय।

खरपतवार की रोकथाम के लिए यह जरूरीः बाजरे की बिजाई के 3, 5 सप्ताह बाद निराई-गुड़ाई करें। खरपतवारों की रोकथाम रसायनों से कर सकते हैं। बिजाई के तुरंत बाद 400 ग्राम एट्राजीन 50% प्रति एकड़ 250 लीटर पानी में मिलाकर छिड़कें। कोढिया या डाऊनी मिल्ड्यू प्रभावित पौधे को उखाड़ कर नष्ट कर दें। सफेद लट के नियंत्रण के लिए विवि की सिफारिश के अनुसार मानसून की वर्षा होते ही गांवों में अभियान चलाएं।

इन किस्मों की करें बिजाई संकर परजाति बाजरे की किस्मों में एचएचबी 67 संशोधित 2, एचएचबी 197, एचएचबी 234, एचएचबी 272, एचएचबी 299, एचएचबी 311 या कम्पोज़िट किस्में, एचसी 10 व एचसी 20 बोएं।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक ट्रिब्यून	12-6-24	7	7-8

एचएयू में तीन दिवसीय मशरूम उत्पादन प्रशिक्षण कल से

हिसार, 11 जून (हप्र)

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण एवं शिक्षा संस्थान द्वारा 13 जून से मशरूम उत्पादन तकनीक पर तीन दिवसीय प्रशिक्षण आयोजित किया जाएगा। इसमें देश व प्रदेश से किसी भी वर्ग, आयु के इच्छुक महिला व पुरुष भाग ले सकेंगे।

सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी, प्रशिक्षण एवं शिक्षा संस्थान के सह-निदेशक (प्रशिक्षण) डॉ. अशोक गोदारा ने बताया कि इस प्रशिक्षण में सफेद बटन मशरूम, ओयस्टर मशरूम, दुधिया मशरूम, शीटाके मशरूम, कीड़ाजड़ी मशरूम इत्यादि पर संपूर्ण जानकारी दी जाएगी। इसके अलावा मशरूम के मूल्य संवर्धित उत्पाद तैयार करना, मार्केटिंग एवं लाइसेंसिंग, मशरूम उत्पादन में मशीनीकरण, मशरूम का स्पान/बीज तैयार करना, मौसमी और वातानुकूलित नियंत्रण में विभिन्न मशरूम उगाने, मशरूम की जैविक और अजैविक समस्याएं और उनके निदान पर विस्तार से चर्चा की जाएगी।

उन्होंने बताया कि यह प्रशिक्षण निशुल्क होगा। प्रतिभागियों को संस्थान की तरफ से प्रमाण-पत्र दिए जाएंगे। इच्छुक युवक व युवतियां सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी, प्रशिक्षण एवं शिक्षा संस्थान में 13 जून को ही सुबह 7 बजे 'आकर अपना पंजीकरण करवाकर प्रशिक्षण में भाग ले सकते हैं। यह संस्थान विश्वविद्यालय के गेट नंबर-3, लुदास रोड पर स्थित है। प्रशिक्षण में प्रवेश पहले आओ-पहले पाओ के आधार पर दिया जाएगा। पंजीकरण के लिए उम्मीदवारों को एक फोटो व आधार कार्ड की फोटोकॉपी साथ लेकर आनी होगी।